गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

मासिक
गोलालारीय दर्शन

सफलता के 14 वर्ष

अपनों के साथ अपनी बातें

लेट पोस्टिंग

प्रतिभाशाली विशेषांक

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 14 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 20 अगस्त 2023 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

नई सुबह की ओर बधाईयां... बधाईयां... बधाईयां...

वाणी जैन, कटनी
रुबी–विकास जैन
CBSE - 12th
91% Comm.

संकल्प जैन, विदिशा
सुनीता–नीलेश जैन
Board - 12th
90% PCM

गरिमा जैन, सागर
रागिनी–कमलचंद जैन
CBSE - 12th
89% Art

अनन्या जैन, विदिशा
मनीषा–अजित जैन
CBSE - 12th
87.8% Comm.

दृश्या जैन, इन्दौर
प्रीति–आनंद जैन
CBSE - 12th
84% Bio

गोलालारीय दर्शन के प्रतिभाशाली विशेषांक में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपनी–अपनी कक्षाओं में शिखर पर रहे छात्र–छात्राओं का हार्दिक अभिनंदन और सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं। अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और सुयोग्य शिक्षकों के मार्गदर्शन से इन छात्र–छात्राओं ने अपने माता–पिता, परिवार और गोलालारीय समाज का नाम रौशन किया है। इनके उच्चांक इस उक्ति को सार्थक करते है कि कठोर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। कठोर परिश्रम के साथ ही अध्ययन के प्रति उनकी एकाग्रता भी प्रशंसनीय हैं। आज कितने ही बच्चे इंटरनेट और मोबाइल की दुनिया में खोकर अपने लक्ष्य से भटक रहे हैं। ऐसे बच्चों को इन प्रतिभाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। यदि आप जीवन में अपने लक्ष्य को पाना चाहते हैं तो समर्पित होकर पूरी निष्ठा से प्रयास करें, सफलता निस्संदेह आपकी होगी । हमारी प्रतिभाएं एक नई सुबह का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जीवन के अगले पड़ाव के लिए उनके कदम तत्पर हैं। भविष्य में भी इसी तरह सफलताएं प्राप्त कर ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे, ऐसी अपेक्षा है। जो सफल नहीं हुए या कुछ कम अंकों को प्राप्त कर थोड़ा पीछे रह गए, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। आपकी सफलता और भविष्य अंको का मोहताज नहीं है। अभी भी अवसर है आप कठोर परिश्रम करें और नए अवसरों का लाभ उठाएं सफलता अवश्य आपके भी कदम चूमेगी। – अनुपमा जैन

धर्म और तीर्थ क्षेत्रों की रक्षा अब राजनीतिक प्रभाव से ही संभव है

राजेन्द्र जैन 'बागो', इन्दौर । जैन राजनीतिक चेतना मंच का प्रांतीय अधिवेशन रविवार 6 अगस्त को इन्दौर में आयोजित हुआ। प्रदेशाध्यक्ष सुभाष काला ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि देश भर में मुनियों की हत्या व अपमान की घटनाएं बढ़ रही है और तीर्थ क्षेत्रों पर निरंतर कब्जे हो रहे हैं, स्थानीय समाज के विरोध को सरकार व प्रशासनिक स्तर पर अनदेखा किया जा रहा है। हमें अब एकजुट होकर समाज शक्ति को दिखाना अति आवश्यक है। धर्म और तीर्थों की रक्षा के लिए राजनीति के माध्यम से समाज प्रतिनिधियों को आगे बढ़ना ही इस समस्या का स्थाई निराकरण है। लोकसभा, विधानसभा में हमारे समाज का उचित प्रतिनिधित्व ही धर्म विरुद्ध कार्यों के विरोध में समाज की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर बुलंद करेंगे । राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल ने कहा कि हमें सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में जागरुक होना और ताकत दिखाना बहुत जरुरी है, तभी समाज को महत्व मिलेगा।

अधिवेशन में देश भर से पधारे दो हजार प्रतिनिधियों की मौजूदगी में विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए निर्णय लिया गया कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जो राजनीतिक पार्टी हमारी समाज को उचित प्रतिनिधित्व देगी हम उसका समर्थन करेंगे मध्यप्रदेश में 5 लोकसभा और 45 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां

जैन समाज जीतने की स्थिति में है, हमें इन सीटों पर समाज की ताकत राष्ट्रीय पार्टियों को दिखाना चाहिए , कोई भी पार्टी समाज प्रतिनिधि को टिकट देती है तो हम सभी को उसे जिताने के हर संभव प्रयास करना चाहिए यहां हम किस पार्टी के समर्थक हैं इस बात को भुला कर अपने समाज के प्रतिनिधि को जिताने का प्रयास करना ही हमारा एक मात्र उद्देश्य होना चाहिए। राजस्थान के पूर्व केबिनेट मंत्री चंद्रराज सिंघवी व राजस्थान कांग्रेस कमेटी के सदस्य हुकुमचंद जैन काका के ओजस्वी उद्बोधन ने प्रतिनिधियों में नवीन ऊर्जा भर दी, राष्ट्रीय नीति आयोग की सदस्या श्रीमती अर्चना जैन ने कुछ संदर्भों के साथ समाज की एक जुटता पर अपनी बात रखी । इसके पूर्व संस्था संरक्षक अशोक बड़ज़ात्या ने टूल किट के माध्यम से बताया की संगठन किस तरह से कार्य करेगा । अधिवेशन का शुभारंभ और ध्वजारोहण राष्ट्रीय अध्यक्ष घेवरचंद जैन किया। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रकाशचंद बड़ज़ात्या, राष्ट्रीय महामंत्री ललित जैन, संगठन मंत्री पूर्व विधायक सुकृति जैन, कर्नाटक के पूर्व विधायक संजय जैन मुर्नीद्र जैन ,अशोक जैन मेहता, प्रकाश भटेवरा सहित अनेक प्रतिनिधियों ने अपने महत्वपूर्ण विचार रखे । मीडिया प्रभारी होलास सोनी, राजेश दद्दू रहें कार्यक्रम का सफल संचालन मंच के प्रादेशिक कार्याध्यक्ष हंसमुख गांधी ने किया।

जैन संतों व संस्कृति की सुरक्षा करें अल्पसंख्यक आयोग

झांसी, प्रवीण कुमार जैन । देश में अल्पसंख्यक जैन समुदाय के तीर्थों, साधुजनों व संस्कृति पर हो रहे कुठाराघात को लेकर दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रवीण कुमार जैन 'दैनिक विश्व परिवार' के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधि मंडल ने अल्पसंख्यक आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री केरसी के. देबु को ज्ञापन देकर ठोस कार्रवाई की मांग की ।झांसी सर्किट हाउस में अल्पसंख्यक आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को दिए ज्ञापन में प्रवीण कुमार जैन ने बताया कि कर्नाटक में जैन संत कामकुमार नंदी की निर्मम हत्या, जैन संतों की सड़क दुर्घटना में हो रही हत्याएं, जैन संस्कृति को छिन्न–भिन्न करने की साजिश है इसी प्रकार जैन धर्म के तीर्थ गिरनारजी, सम्मेद शिखरजी, पालीताणा, गोम्मटगिरी इंदौर व केसरियाजी आदि तीर्थों पर अन्य संप्रदाय के प्रभावशाली व्यक्तियों व संगठनों द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा हैं। एक ओर भारत सरकार 1947 के स्तर को बनाए रखने की घोषणा करती है तो दूसरी ओर सरेआम तीर्थों पर कब्जा किया जा रहा है । अतः जरुरी है कि अल्पसंख्यक आयोग मामलों को संज्ञान में लेकर संरक्षण प्रदान करें। जैन मिलन के अध्यक्ष श्री सुभाष जैन सत्यराज ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी के अभाव में जैन समुदाय लाभान्वित नहीं हो पा रहा है अतः समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराए जाना किए जाना चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में जैन मिलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री रविंद्र जैन रेलवे, विनोद जैन ठेकेदार, राजीव जैन हिंसा आदि उपस्थिति रहें।

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

श्री सुधेश जैन, इन्दौर

विशेष सहयोगी सदस्य -

श्री विनोद कुमार जैन,
मंदाकिनी कालोनी, भोपाल

डॉ. अंश कुमार जैन, बछोड़ा

श्री राजेन्द्र कुमार जैन, बबीना

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

श्री राजेन्द्रकुमार जैन 'सायकल वाले' - हमारे आधार स्तंभ

श्री राजेन्द्रकुमार जैन सायकलवाले एक व्यक्तित्व नहीं अपितु हमारी समाज के प्रेरणा कुंज रहे।

श्री राजेन्द्रकुमार जैन 'दादा' का देवलोकगमन 8 जून को 84 वर्ष की दीर्घायु में इन्दौर में हो गया। वे समाज के उन व्यक्तित्वों में से एक थे जिनके अथक प्रयासों के कारण ही गोलालारीय समाज इन्दौर ने आज पूरे देश में नवीन ऊंचाइयों को छुआ हैं। दादा का व्यक्तित्व इस प्रकार का रहा हैं कि वे जिस काम की शुरुआत करते थे उसे पूर्ण लगन और समर्पण के साथ अंतिम परिणाम पहुंचाने तक आराम से नहीं बैठते थे।

मैं श्री राजेन्द्र दादा से वर्ष 1990 के आसपास जुड़ा, उस समय कुछ विपरीत परिस्थितियों के कारण इन्दौर गोलालारीय समाज का संगठन कमजोर हो गया था, उन प्रतिकूल परिस्थितियों में श्री राजेन्द्र दादा ने समाज की एक सहकारी संस्था खोलने का विचार कर उस प्रयास में मुझे सहभागी बनाया उसके बाद हम प्रत्येक रविवार को नगर के हर क्षेत्र में गोलालारीय परिवारों से सहकारी संस्था के सदस्य बनने हेतु संपर्क करने के लिए निकल जाते थे। यह अभियान कई महीनों तक निरंतर चलता रहा। समाज सदस्यों में विश्वास जगा कर उनको सहकारी संस्था के सदस्य बनने के लिए प्रेरित करते रहे, निर्धारित सदस्य संख्या पूरी होते ही वर्ष 1993 में देश की गोलालारीय समाज की पहली पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था का विधिवत रजिस्ट्रेशन हुआ। आपने इस संस्था को संस्थापक अध्यक्ष के रुप में 10 वर्षों तक सफलतापूर्वक संभालते हुए संस्था को नवीन ऊंचाइयों तक पहुंचाया, जिसके माध्यम से अनेक सदस्यों ने आर्थिक सहयोग लेकर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया।

समाज के बिखराव को रोक कर संगठन को सुदृढ़ बनाने के लिए सर्वप्रथम न्यू देवास रोड स्थित 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर पर क्षमावाणी पर्व व इस पर्व में प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजन मनाने का निश्चय आपके साथ कुछ सदस्यों द्वारा संजोया गया, छोटे पैमाने से शुरू इस आयोजन ने कुछ वर्षों में ही अपनी अलग पहचान बना ली थी। 1996 में समाज को सुचारु रुप से संचालित करने के उद्देश्य से नगर के प्रत्येक क्षेत्र से समाज के सक्रिय सदस्यों को जोड़कर आपने एक सुदृढ़ संगठन बनाया, जिसमें आपको गोलालारीय समाज के अध्यक्ष के रुप में निर्विरोध चुना गया। आपके कार्यकाल में संगठन ने उत्तरोत्तर उन्नति कर जरुरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता व आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए पुस्तकें और स्कूल फीस जमा करने की योजना निरंतर चलाई गई। आपके मार्गदर्शन में समाज सदस्यों की पारिवारिक पत्रिका 'गोलालारीय प्रयास' का प्रकाशन व समाज का स्नेह सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

समाज को आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं व्यवस्थित रुप से संचालित करने के उद्देश्य से अनेकों वर्षों से लंबित 'समाज ट्रस्ट' को बनाने के लिए सदस्यों में आम सहमति बनाते हुए वर्ष 2000 में ट्रस्ट का गठन किया गया और आपने गोलालारीय दिगंबर जैन समाज न्यास के संस्थापक अध्यक्ष के रुप में एक क्रियाशील संगठन खड़ा कर दिया जो आज इन्दौर की समग्र जैन समाज व पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए हैं। ट्रस्ट का गठन होने के साथ ही आपने स्वेच्छा से अध्यक्ष पद का त्याग कर समाज को एक नवीन कमेटी के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। नवीन कमेटी के गठन पश्चात समाज के प्रति आपके उत्कृष्ट कार्यों को ध्यान रख आपको न्यास के स्थाई ट्रस्टी के रूप में मनोनीत किया गया।

14 वर्ष पूर्व में इन्दौर समाज संगठन ने देश के सभी गोलालारीय परिवारों को जोड़ने व समाज सदस्यों की सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी और समाज के प्रतिभाशाली बच्चों की उपलब्धियों को संपूर्ण समाजजनों के सम्मुख रखने के उद्देश्य से गोलालारीय समाज का एक मुखपत्र प्रकाशित करने का विचार करा। संस्थापक संपादक के रुप में 'गोलालारीय दर्शन' का प्रकाशन कर इस मुखपत्र को देशभर के सभी गोलालारीय परिवारों तक नि:शुल्क पहुँचाने का सहर्ष बीड़ा उठाया, जो आज भी निरंतरता लिये हुए है। आपका यह अमर प्रयास गोलालारीय समाज को सदैव स्मरणीय रहेगा।

सद्ग्रहस्थ श्री राजेन्द्र दादा ऐसे श्रेष्ठ श्रावकों में से एक थे जो प्रतिदिन पूजा, अभिषेक, स्वाध्याय सुनना उनकी नित्य चर्या में अनिवार्य रुप से शामिल था। आप काफी मितव्ययी व स्पष्ट वक्ता रहें। आप बहुत ही मनमोहक भजन लिखते थे, आपकी लिखावट बहुत ही सुन्दर थी और उन भजनों को अपनी मधुर आवाज में बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुति देते थे। आप की स्मृति में परिजनों ने आपके द्वारा रचित भजनों की डायरी में से कुछ सुंदर भजनों की पुस्तिका प्रकाशित कर समाजजनों को भेंट की हैं।

आपके मार्गदर्शन में अनेकों कार्यक्रमों का सफल आयोजन होता रहा। समाज के लिए बहुउद्देश्यीय मांगलिक भवन, नवीन मंदिर हेतु भूमि क्रय कर मंदिरजी का निर्माण की योजना बनाना या सांस्कृतिक कार्यक्रमों व हाल ही में संपन्न गोलालारीय समाज के प्रथम पंचकल्याणक महोत्सव में आपका योगदान व मार्गदर्शन सदैव मिलता रहा।

आप स्पष्ट वक्ता के साथ अपनी बातों को गंभीरता से रखने में माहिर थे आप समाज संगठन से निरंतर जुड़े रहे व अपने अमूल्य सुझाव देकर संगठन में नई प्रेरणा भरते रहे। आपके जाने से इन्दौर गोलालारीय समाज में जो रिक्तता आयी है जिसे पूर्ण कर पाना असंभव है। आपका समाज के प्रति जो समर्पण भाव रहा है ऐसा भाव बिरले लोगों में ही देखने को मिलता है। गोलालारीय समाज न्यास व गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हम सब आपको सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सादर नमन करते है।

- राजेन्द्र जैन 'बागो', संपादक

अंतर्राष्ट्रीय कला एवं साहित्य सम्मान-2023 से सम्मानित हुए विशाल जैन पवा।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 162वीं जयंती पर श्री सत्य इंदिरा फाउंडेशन (एस एस आई एफ) ने अहिंसा सेवा संगठन के संस्थापक विशाल जैन पवा को अंतर्राष्ट्रीय कला एवं साहित्य सम्मान-2023 से सम्मानित किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. स्मृति सारस्वत ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा की साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले साहित्यकार, कवि, लेखक एवं कलाकारों को प्रतिवर्ष यह सम्मान प्रदान किया जाता है। विशाल जैन ने भ्रूण हत्या, जघन्य अपराध महापाप, जैन समाज के उत्थान के लिए परिवार में दो या दो से अधिक संतानों की अनिवार्यता, क्या जैन युवतियों के लिए नौकरी सार्थक है? जैन कन्याओं के लिए विवाह की आयु सीमा क्या? नशा की प्रवृत्ति समाज के लिये अभिशाप, पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण में हमारा दायित्व एवं स्वर्णिम भारत जैसे विषयों पर निबंध व बदलते संस्कार, बचपन का प्यार, बहादुर बेटी शीर्षकों पर लघुकथा। प्रश्नों के उत्तर में कुछ लिखना तो है व्यंग्य। मोबाइल पर बर्बादी का खेल, संस्मरण सहित अनेक विधा में लेख और माँ, पिता, जीवन का पतझड़, मोबाइल की यथार्थता, नव सम्वतसर की छटा निराली, होली की हुडदंग, गुजरे जमाने, जेठ मास में तपती गर्मी, आपदा में अवसर आदि अनेक शीर्षकों पर कविताएं, जिंदगी और चाहत शीर्षकों पर गजल लिखी हैं एवं अन्न खाओगे तो अनाज की पैदावार बढ़ेगी का नारा दिया।

विशाल जैन ने आचार्य अकादमी चुलियाणा, रोहतक (हरियाणा) द्वारा आयोजित 18वें राष्ट्रीय साप्ताहिक कविता प्रतियोगिता प्रदत विषय नव संवत्सर की छटा निराली में द्वितीय एवं 19वें राष्ट्रीय साप्ताहिक कविता प्रतियोगिता प्रदत विषय जीवन का पतझड़ में दसवां स्थान प्राप्त किया।

निवास पते में संशोधन हेतु - कुछ नगरों में कुछ समाजजनों को **'गोलालारीय दर्शन'** पत्रिका नहीं पहुंच पा रही हैं, उन सदस्यों से हमारा निवेदन है कि वे अपने डाक का पूर्ण पता मकान नंबर व नगर के पिनकोड सहित **गोलालारीय दर्शन** के मोबाइल नंबर 9109713136 पर भेज देवें, ताकि सुधार करके पत्रिका पहुंचाने की व्यवस्था की जा सके।

पयूर्षण पर्व - पर्यूषण पर्व 19 सितम्बर से प्रारंभ हो रहे हैं गोलालारीय दर्शन के सभी पाठकों से निवेदन है कि वे अपने नगर, अपने मंदिर में इस अवसर पर हो रहे सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी **दिनांक 30 सितम्बर** तक गोलालारीय दर्शन के मोबाइल नंबर 9109713136 पर भेज देवें।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ...

अवनी जैन, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
6th
91%

नित्या जैन, इन्दौर
भावना-अभिषेक जैन
6th
86%

आदित्य जैन, ललितपुर
नेहा-अभिषेक जैन
6th
85%

अंशिका जैन, पृथ्वीपुर
पूनम-अमित कुमार जैन
7th
95.5%

गौरवांश जैन, इन्दौर
अंकिता-नीलेश जैन
7th
A

लक्ष्य जैन, इन्दौर
वर्षा-राहुल जैन
7th
84.8%

आदित्य जैन, ललितपुर
राजकुमारी-आशीष जैन
7th
80.25%

प्रार्ची जैन, इन्दौर
अनिता-प्रमोद जैन
8th
93.16%

पवित्र जैन, तालबेहट
नीतू-विकास जैन
8th
87%

हर्षिल जैन, इन्दौर
तारिका-पियूष जैन
8th
81.71%

चैतन्या जैन, इन्दौर
रोशनी-रुपेश जैन
8th
71.9%

अवधि जैन, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
9th
92.7%

दीर्घा जैन, इन्दौर
हेमा-सचिन जैन
9th
84%

महक जैन, विदिशा
मोहिनी-राजेश जैन
9th
83.9%

भाषित जैन, इन्दौर
श्वेता-सुशील जैन
9th
B2

गौरवी जैन, इन्दौर
अंकिता-नीलेश जैन
9th
74%

श्रेया जैन, रामगंजमंडी
अंजली-सोमेन्द्र जैन
10th
97.2%

अनुष्का जैन, पन्ना
सारिका-प्रभात जैन
10th
96.6%

आर्चिशा जैन, इन्दौर
प्रीति-आनंद जैन
10th
95.6%

आर्चिनी जैन, इन्दौर
प्रीति-आनंद जैन
10th
94.2%

आतिशी जैन, भोपाल
रानी-दुष्यंत जैन
10th
93%

तीर्थेस जैन, इन्दौर
रोशनी-रुपेश जैन
10th
91.4%

सम्यक जैन, इन्दौर
मोनिका-गौरव जैन
10th
78.2%

रचित जैन, रामगंजमंडी
नूतन-जितेन्द्र कुमार जैन
10th
77.8%

अक्षिता जैन, इन्दौर
सोनू-महेन्द्र कुमार जैन
10th
77%

आर्या जैन, ललितपुर
नेहा-अभिषेक जैन
10th
75%

दर्शन जैन, इन्दौर
मोनिका-गौरव जैन
10th
73.4%

तीर्थ जैन, अहमदाबाद
सुजाता-सुधीर जैन
11th
76.85%

शुभी जैन, झाँसी
रेखा-प्रेमचंद जैन
CISE - 12th
79.8% PCM

मौलिक जैन, सीहोर
प्रीति-अंकुश जैन
Board - 12th
79.8% PCM

सृष्टि जैन, इन्दौर
संतोष-संदीप जैन
BE
CGA - 10%

अंशिका पवैया, ललितपुर
संजय पवैया
B.Com Final
80.11%

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए हमने जो योग्यता निर्धारित की थी, उसके आधार पर ही प्रतिभाओं का चयन किया गया है। समय सीमा पश्चात् भेजी गयी अंकसूचियों को स्थान नहीं दिया जा सका है।

नोट - हमने पूर्ण सावधानी के साथ नाम एवं चित्र प्रकाशित किये है, फिर भी यदि त्रुटि रह जाती है तो हम क्षमाप्रार्थी है।

विन्रम निवेदन -

आपके परिवारों में होने वाले मांगलिक प्रसंगों जैसे कि विवाह समारोह, विवाह वर्षगांठ की रजत या स्वर्ण जयंती, बच्चों के जन्मदिवस या परिवार में धार्मिक विधान व अन्य कोई मांगलिक प्रसंग पर आप अनेक मदों में दिल खोलकर रुपया खर्च करते है। हमारा आपसे एक छोटा सा करबद्ध निवेदन है कि इन प्रसंगों में एक खर्च समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका ''गोलालारीय दर्शन'' के नाम से खर्च करने का विचार करें। आपके सहयोग के आधार पर ही यह सामाजिक पत्रिका लम्बे समय तक समाजजनों को पहुँचाने का हम सतत् प्रयास करते रहेंगे। आपका आर्थिक संबल समाज के इस पहले प्रयास को प्राण वायु प्रदान करेगा। आशा है आप इस विषय पर विचार कर दिल खोलकर आर्थिक सहयोग करेंगे। - संपादक

जागो... जैनों, जागो...

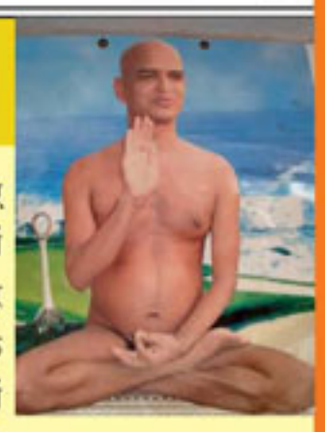

अनुपमा जैन, इन्दौर । कर्नाटक में चातुर्मासरत जैन आचार्य 108 श्री कामकुमार नंदीजी की रात्रि के समय निर्मम हत्या से संपूर्ण जैन समाज क्षुब्ध है। जैसे ही यह समाचार ज्ञात हुआ पूरे भारत और विश्व भर में रहने वाले जैन धर्मावलंबियों के मन में दुख, करुणा और रोष उत्पन्न हुआ । एक दिगंबर साधु, जो अपने पास एक पिच्छी, कमंडल के अलावा कुछ भी नहीं रखते, एक अहिंसक साधु जो चींटी से भी सूक्ष्मजीवों की भी हिंसा ना हो, इसलिए 4 महीने वर्षावास में एक ही स्थान पर रहते हैं। जैनागम की चर्या का पालन करते हुए निरंतर धर्म साधना में लगे रहते हैं। ऐसे निस्सहाय आचार्य की हत्या करके उनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करना अत्यंत निंदनीय है। और इससे भी बढ़कर इस पूरे घटनाक्रम पर सरकार की ओर से मौन साधे रहना, हत्यारों को सजा दिलाना तो दूर, कड़ी कार्यवाही तक ना करना समाज के लिए आक्रोश का विषय है। इसीलिए पूरे देश भर में 20 जुलाई को दिगंबर और श्वेतांबर समाज के साधु संतों ने पूरे देश में भारत बंद का आह्वान किया। जैन समाज के सभी धर्मावलंबियों ने अपने अपने नगरों में स्वजनों को साथ में लेकर सड़क पर मौन जुलूस निकाला और अपना रोष व्यक्त किया। इस मौन जुलूस में महिलाओं और युवाओं ने भी सक्रियता से भाग लिया और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंप कर हत्यारों के प्रति कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की।

आचार्य कामकुमार नंदी महाराज जी बहुत विद्वान थे, वे इंजीनियर थे, बहुत सी विदेशी भाषा के जानकार थे, अनेक शास्त्रों की उन्होंने रचना की थी, बहुत सुंदर भजन लिखते थे और अपनी मधुर आवाज में पूर्ण भक्ति भाव से गाते भी थे, शांत स्वभाव के दयालु और तपस्वी मुनिराज थे । जिस दिन षड्यंत्र के तहत उनकी हत्या हुई उस दिन उनका उपवास और मौन व्रत था । उन्हीं की आवाज में बहुत सुंदर भजन 'छुक छुक रेल चली जीवन की' यह रचना काफी प्रसिद्ध हुई । आपने अनेक धार्मिक आध्यात्मिक कृतियों का सृजन किया है जिसमें जैन धर्म के मौलिक सिद्धांत, इतिहास, भूगोल, पर्व, स्त्रोत, श्रावक धर्म, मुनि धर्म, दशलक्षण धर्म, जिन विभूति सुधा के समान विभिन्न विषय शीर्षक शामिल हैं।

इन्दौर नगर में भी संपूर्ण दिगंबर, श्वेतांबर जैन समाज के साधु संतों ने सम्मिलित रूप से और हिन्दू समाज के प्रतिनिधियों ने भी जैन समाज के श्रद्धालुओं ने मौन जुलूस निकाले गये । राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश के अनेक शहरों के साथ भोपाल, ललितपुर, झाँसी, विदिशा, आगरा, दिल्ली, अहमदाबाद, जबलपुर आदि अनेक स्थानों पर इसी तरह के मौन जुलूस के माध्यम से जैन समाज ने अपना आक्रोश व्यक्त किया और व्यापारी बंधुओं ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। ज्ञातव्य है कि जैन समाज भले ही अल्पसंख्यक है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण योगदान रखता है। जैन समाज एक सभ्य, सुशिक्षित, प्रगतिशील, शांतिप्रिय और अहिंसक विचारधारा को मानने वाला समाज है। लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं होना चाहिए कि जैन समाज कायर है और अपने संतों की, अपने तीर्थ स्थलों की रक्षा नहीं कर सकता। इस हेतु जैन संतों ने समाज के सक्रिय युवाओं से देश की राजनीति में और महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर आरुढ़ होने का निर्देश दिया। क्योंकि अब समय आ गया है कि यदि जैन समाज सत्ता और शक्ति का केंद्र बने, ताकि अपनी आवाज देश की संसद और कानून व्यवस्था तक पहुंचा सके। क्योंकि जिस तरह से वर्तमान परिस्थितियों में जैन तीर्थों पर अतिक्रमण, जैन संतों पर अत्याचार और जैन श्रावकों को गाहे-बगाहे परेशान किया जा रहा है लेकिन देश के किसी भी बड़े नेता के मुंह से एक शब्द तक नहीं निकलता ? जैन समाज के लोगों के लिए न्याय तो दूर न्याय दिलाने का आश्वासन तक नहीं दिया गया, क्या हम जैन वोटरों की कोई कीमत ही नहीं है, क्या देश में हमारा कोई स्थान ही नहीं है, विचारणीय है । इससे यह निश्चित है कि समाज को अपनी रक्षा के लिए खुद ही आगे आना होगा।

विख्यात विद्वान व लेखक डॉ. कपूरचंद्र जैन स्मृति ग्रन्थ का भव्य लोकार्पण सोनागिरजी में संपन्न हुआ

❊ डॉ कपूरचंद जी ने कपूर की भांति चारों ओर सुगंधि फैलाई : मुनि पुण्यसागर जी ❊ मूर्धन्य मनीषी तथा अद्भुत प्रतिभा के धनी थे डॉ कपूरचंद जैन : गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण ❊ बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में हो डॉ. कपूरचंद जैन पीठ की स्थापना : प्रदीप जैन आदित्य, पूर्व केन्द्रीय मंत्री

डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर । श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरजी में मूर्धन्य मनीषी श्रद्धेय डॉ. कपूरचंद जैन खतौली के स्मृति ग्रन्थ का भव्य विमोचन समारोह पूज्य मुनि श्री पुण्य सागरजी महाराज ससंघ व गणनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के ससंघ सान्निध्य में शास्त्रि परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत की अध्यक्षता में भारत सरकार के पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ ।

सर्वप्रथम श्रीमती ज्योति जैन झांसी व पंडित पवन दीवान मुरैना एवं डॉ. कपूरचंद्र जी खतौली के परिजनों ने मंगलाचरण किया। इसके बाद विद्वानों, अतिथियों आदि ने चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन किया। इस मौके पर मुनि श्री पुण्यसागरजी महाराज ने कहा कि डॉ. कपूरचंद्रजी खतौली ने कपूर की तरह दशों दिशाएं सुगंधित की। भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके कार्य उन्हें सदैव जीवंत बनाए रखेंगे। वे चिंतनशील मनीषी थे। गणनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने कहा कि डॉ. कपूरचंद्रजी जितने दिन जिये शान से जिये। वे मूर्धन्य मनीषी तथा अद्भुत प्रतिभा के धनी थे। वे विविध विद्याओं में पारंगत, अनोखे विषय पर अनोखे कार्य करने वाले मनीषी थे। प्रारंभ में डॉ. जयकुमार जैन मुज्जफरनगर ने डॉ. कपूरचंद्रजी का खतौली का परिचय देते हुए उनके जीवन से जुड़े संस्मरण सुनाए। विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' झांसी ने डॉ. कपूरचंद्रजी के अवदान को ऐतिहासिक बताया तथा उनकी स्मृति में बुंदेलखंड विश्विद्यालय झांसी में एक शोध पीठ स्थापना की बात कही । समारोह का संचालन पंडित विनोद जैन रजवांस व राजेन्द्र महावीर सनावद ने संयुक्त रूप से किया। आभार डॉ. ज्योति जैन खतौली ने व्यक्त किया।

डॉ. कपूरचंद्र जैन के भाई सुमत जैन सीए झांसी ने अपने अनेक संस्मरण सुनाते हुए उन्हें जीवन निर्माता बताया। शास्त्रि परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत ने कहा कि अपने को तिल तिल गलाकर साहित्य साधना करने वाले सरस्वती के वरद पुत्र डॉ. कपूरचंद्र जैन के द्वारा नयी-नयी विधाओं पर कार्य किए गए। डॉ. शीतलचंद्र जैन प्राचार्य जयपुर ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में जैन उनकी 700 पृष्ठों की कृति ऐतिहासिक दस्तावेज बन गयी है। इस पुस्तक को तैयार करने में उन्होंने अथक श्रम किया है। शास्त्रि परिषद के महामंत्री ब्र. जय कुमारजी निशांत भैया टीकमगढ़ ने कहा कि वे सहज- सरल मनीषी थे इसलिए उनका इसलिए कोई विरोधी नहीं था, शास्त्रि परिषद के वे उपाध्यक्ष व पुरस्कार संयोजक रहे। वे पूरे जीवन प्रभावना व साहित्य सेवा में संलग्न रहे। प्राचार्य अरुण जैन सांगानेर ने कहा कि मध्यप्रदेश के दतिया मंडल के वरधुआ नामक छोटे से गांव में जन्में डॉ. जैन ने शिक्षा और समाज के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जो सदैव स्मरणीय रहेंगे। डॉ सुरेन्द्र जैन भारती बुरहानपुर ने कहा कि उनके साथ मेरा भाई जैसा संबंध था। वे सरल और सहज थे। वे आज भी याद हैं और कभी भूलेंगे भी नहीं। प्रोफेसर विजय कुमार जैन लखनऊ ने डॉ. साब को बड़ा भाई बताते हुए उनकी साहित्य सपर्या को याद किया साथ ही प्रोफेसर वृषभप्रसादजी लखनऊ के अवदान को रेखांकित करते हुए उनके द्वारा कोरोना काल में चलाई गई अक्षय आहार की योजना को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. ब्र. राकेश भैया सागर ने विलक्षण प्रतिभा के धनी डॉ. कपूरचंद्रजी ने जैन विद्या शोध संदर्भ पुस्तक तैयार कर महत्वपूर्ण कार्य किया, यह पुस्तक शोधार्थियों के लिए वरदान साबित हुई । दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रवीण जैन झांसी ने कहा कि ज्ञान यज्ञ में अनूठी आहुति देने वाले डॉ. साहब सरलता की प्रतिमूर्ति थे। डॉ. सुनील जैन 'संचय' प्रचार मंत्री शास्त्रि परिषद, ललितपुर ने कहा कि डॉ. कपूरचंद्रजी की कृतियाँ श्रम साध्य, व्यय साध्य और समय साध्य थीं। वे अजातशत्रु थे । उनकी कालजयी कृतियां ऐतिहासिक दस्तावेज हैं, जिनसे वे सदैव अमर रहेंगे। इस अवसर पर जसवीर राणा, डॉ. ज्योति जैन खतौली, डॉ. चंद्रमोहन जैन, कार्तिक जैन, अनिकेत जैन, विभु जैन, वैभव जैन आदि वक्ताओं ने अपने विचार रखे। स्मृति ग्रंथ का विमोचन मंचासीन अतिथियों, विद्वानों एवं परिजनों ने किया।

स्मृति ग्रंथ के प्रधान संपादक डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, संपादक मंडल ब्र. जयकुमार निशांतजी, पंडित विनोदकुमार जैन रजवांस, डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती, ब्र. जिनेश मलैया, प्रबंध संपादक सुमतचंद्र जैन सीए, डॉ. ज्योति जैन, सह संपादक राजेन्द्र जैन महावीर, डॉ. सुनील संचय, डॉ. चंद्रमोहन जैन, जसवीर राणा, परामर्श मंडल के डॉ. शीतलचंद्र जैन, डॉ. जयकुमार जैन, प्राचार्य अरुण जैन एवं संयोजक मंडल के नीरज जैन, कार्तिक जैन, अनिकेत जैन, विभु जैन, वैभव जैन आदि को सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि अनेक पुरस्कारों से अंलकृत डॉ. कपूरचंदजी खतौली ने स्वतंत्रता संग्राम में जैन, प्राकृत एवं जैन विद्या शोध संदर्भ, संविधान विषयक जैन अवधारणाएं, धवल कीर्तिमान, जैन विरासत जैसी कालजयी कृतियों का प्रणयन कर अमूल्य योगदान दिया है। उनकी धर्मपत्नी डॉ. ज्योति जैन जी भी एक विदुषी हैं। उन्होंने छाया की तरह उनके कार्यों में योगदान दिया। डॉ. साहब के जाने के बाद वे निरंतर सक्रिय होकर डॉ. साहब के पद चिन्हों पर चल रही हैं। इस अवसर पर देश भर के विभिन्न अंचलों से आमंत्रित 125 विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में डॉ. कपूरचंद जैन खतौली के जीवनवृत्त पर एलईडी के माध्यम से उनके जीवन के विविध पक्षों को दिखाया गया।

पूर्णमति माताजी का ज्ञानविधा चातुर्मास अहमदाबाद में

प्रवीण जैन, अहमदाबाद । अध्यात्म सरोवर के राजहंस हम सबकी आस्था के देवता वर्तमान के ज्येष्ठ और श्रेष्ठ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज की सुयोग्य शिष्या कंठ कोकिला एवं अनेक सारगर्भित पूजाओं एवं विधानों की रचियत्री आर्यिका श्री 105 पूर्णमति माताजी का 'ज्ञान विद्या शीश' चौमासा न्यू सिटी ग्राउंड रोड़, अहमदाबाद में चल रहा है । 1 जुलाई को मंगल प्रवेश पर नगर के 4000 से भी अधिक श्रावकों द्वारा आर्यिकारत्न 105 पूर्णमति माताजी एवं आर्यिकासंघ की भव्य आगवानी पूर्ण भक्तिभाव व हर्षोल्लास के साथ कराई गयी । जिसमें गुजरात के गृहमंत्री श्री हर्ष संघवी जी एवं जैन समाज के भामाशाह श्री अशोक कुमारजी पाटनी (आर.के.मार्बल) किशनगढ़ भी शामिल थे, आपके द्वारा कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण एवं मंडल उद्घाटन का भव्य आयोजन सानंद संपन्न हुआ। 2 जुलाई को आर्यिका पूर्णमति माताजी ससंघ के कलश स्थापना का भव्य आयोजन समाज के हजारों श्रावकों की उपस्थिति में हुआ । प्रथम कलश की स्थापना अहमदाबाद नगर के भामाशाह श्री राजेन्द्रजी कटारिया परिवार व द्वितीय कलश की स्थापना का सौभाग्य श्री जिनेन्द्र कुमार प्रवीण कुमार जैन परिवार (जैनम ग्रुप) को प्राप्त हुआ ।

5 जुलाई से पूज्य माताजी के सानिध्य में 'आत्मा बोध' शिविर का शुभारंभ हो चुका है जिसमें 8 से अधिक की उम्र वाले 1000 से अधिक पुरुष श्रावक उपस्थित होकर धर्म लाभ ले रहे हैं। प्रतिदिन पूज्यनीय माताजी के मुखारविंद से ज्ञान की वर्षा हो रही है, ये अद्भुत, अविस्मरणीय व अकल्पनीय पल अहमदाबाद की समाज का अतिशय पुण्य है जो परम पूज्य आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी मुनिराज के आशीर्वाद से हमें पूर्णमति माताजी के सानिध्य में प्राप्त हुआ है।

संस्कारधानी जबलपुर में बह रही है धर्म की गंगा

जबलपुर, अरविंद कुमार जैन 'बाकल' । इस युग के श्रेष्ठ आचार्य भगवंत तपोनिष्ट 108 श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के आशीर्वाद से संस्कारधानी जबलपुर नगर व उपनगरों में आर्यिका संघों का चातुर्मास साआनंद चल रहा है । चातुर्मास कार्यक्रम में आर्यिका श्री 105 ऋजुमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अग्रवाल कॉलोनी, आर्यिका श्री 105 चिंतनमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कंचन विहार विजय नगर, आर्यिका श्री 105 आदर्शमती माताजी ससंघ प्रतिभा स्थली तिलवारा घाट, आर्यिका श्री 105 दुलर्भमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लाड़गंज, आर्यिका श्री 105 अन्तरमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शिव नगर, आर्यिका श्री 105 अपूर्वमति माताजी श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर संगम कॉलोनी, आर्यिका श्री 105 श्वेतमति माताजी शासनादेश तीर्थ हनुमान ताल, आर्यिका श्री 105 अनुभवमति माताजी श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पुरवा, आर्यिका श्री 105 उद्योतमति माताजी बड़े जैन मंदिर गढ़ा, आर्यिका श्री 105 अखंडमति माताजी उपनगरी क्षेत्र बरेला एवं क्षुल्लक श्री 105 तत्वसागरजी ससंघ सहित 26 महाराजजी का मांगलिक चतुर्मास दयोतीर्थ तिलवारा घाट में पूर्ण भक्तिभाव के साथ साआनंद हो रहा है । आर्यिका संघों का भव्य नगर आगमन 20 जून को डी.एन.बोर्डिंग मंदिर, मालवीय चौक से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लाडगंज की ओर हुआ। भव्य कार्यक्रम की श्रृंखला में समस्त आर्यिका संघ एवं क्षुल्लक संघ के परम सानिध्य में त्रिदिवसीय भव्य मुनि दीक्षा के आयोजन में युग श्रेष्ठ आचार्य श्री गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज का 56वां मुनि दीक्षा दिवस एवं आर्यिका श्री 105 आदर्शमति माताजी का 31वां दीक्षा दिवस समारोह आचार्य छत्तीसी विधान एवं आचार्य श्री जी के पूजन के साथ हर्षोल्लासपूर्वक आचार्य श्री विद्यासागर भवन एवं कमानिया गेट पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ । इस अवसर पर आर्यिका संघ के संस्मरण एवं प्रवचन व अन्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन दिगंबर जैन पंचायत सभा एवं स्थानीय समाज की सभी संस्थाओं द्वारा सुव्यवस्थित रुप से किया जा रहा है । समस्त आर्यिका संघों की आगवानी एवं कलश स्थापना समारोह भव्यता पूर्वक आयोजित किया गया। गोलालारीय समाज के कई सदस्य इन आयोजनों में अपनी सहभागिता निभाते हुए पुण्य अर्जित कर रहे है। नगर में इन मंदिरों में धर्म की कक्षाएं, प्रवचन श्रृंखला व शंका समाधान का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक चल रहा हैं। नगर में धर्म की गंगा में समाजजन उत्साह पूर्वक उपस्थित होकर धर्मलाभ ले रहे हैं।

धर्मस्थल को पर्यटन स्थल बनने से कैसे रोका जाए ?

जहां भी पहाड़ पर्वत और प्राकृतिक सुंदरता होती है वहां पर्यटन स्वत: विकसित होने लगता है। हमारे बहुत सारे क्षेत्र ऐसे हैं जो कि पहाड़ पर हैं और प्राकृतिक सुंदरता से घिरे हुए हैं । ऐसी स्थिति में स्थानीय समाजजन के साथ अन्य लोग भी वहां भ्रमण करने के लिए आते हैं और धीरे-धीरे वह धर्म क्षेत्र, पर्यटन क्षेत्र में परिवर्तित होने लगता है ।**धर्म स्थल को पर्यटन स्थल बनने से रोकने का एक बहुत अच्छा उदाहरण जयपुर शहर के खानिया (चूलगिरी) स्थित मंदिर कमेटी से सीखा जा सकता है ।**

चूलगिरी जयपुर के बीच एक छोटा सा पहाड़ है जो की प्राकृतिक सुंदरता से घिरा हुआ है और उस पर पारसनाथ भगवान का एक भव्यतम मंदिर है, यहां पर सीढ़ियों और वाहन दोनों ही माध्यमों से आसानी से मंदिर तक पहुंचा जा सकता है । मंदिर से शहर का बहुत ही सुंदर और आसपास का प्राकृतिक नजारा नजर आता है, इसलिए यहां जैसे-जैसे सुविधा विकसित होती गई जैनियों के साथ अन्य जातियों के लोगों का भी आवागमन बढ़ता गया । किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को मंदिर में प्रवेश से रोका तो नहीं जा सकता लेकिन उस पर मंदिर में प्रवेश संबंधी नियम तो लगाये ही जा सकते हैं ।

इसके लिए कमेटी ने सर्वप्रथम प्रवेश द्वार पर एक गार्ड को बैठाया जो कि जो भी व्यक्ति बरमूड़ा, नेकर या अवांछनीय वस्त्रों को पहनकर आता है या बीड़ी, सिगरेट गुटका आदि हाथ में लाता है तो उसको प्रवेश करने से रोक दिया जाता है। पर्यटन का आधा भाव तो दरवाजे पर ही खत्म कर दिया जाता है ।

पर्यटक आगे बढ़ता है और मंदिरजी में प्रवेश करता है तो उसका मुख्य उद्देश्य दर्शन करना नहीं बल्कि फोटो और सेल्फी लेना होता है । दूसरा जो बहुत ही सराहनीय कदम उठाया गया वह मंदिर जी में फोटो और सेल्फी लेने पर प्रतिबंध जब पर्यटक को फोटो सेल्फी आदि लेने से रोका जाता है तो वह ज्यादा देर नहीं रुकता और जल्दी ही बाहर निकल जाता है। इससे वास्तव में दर्शन करने वालों को असुविधा से मुक्ति मिलती है और अच्छे से दर्शन करने का लाभ भी प्राप्त होता है । यह ऐसा कदम है जिससे पर्यटन की नींव डगमगाने लग जाती है । जब पर्यटक मंदिर के बाहर निकलता है तो उसको सामने की तरफ बहुत ही सुंदर व्यू पांईट दिखते हैं जहां पर्यटक खड़े होकर, दीवारों पर बैठकर शहर के नजारे को देखते हुए फोटो, सेल्फी खींच सकता है लेकिन उन पांईट तक जाना ही रोक दिया गया है और वहां बोर्ड लगा दिया गया है कि यहां फोटो खींचना और सेल्फी लेना मना है । लेकिन मजेदार बात यह है कि पर्यटक को बोर्ड तो नजर ही नहीं आता या नजर आ जाता है तो वह उसे नजरअंदाज कर देता है । इसलिए वहां एक गार्ड भी लगा रखा है जो कि पढ़े-लिखे अनपढ़ो को बोर्ड पढ़ाने और रोकने का काम भी करता है। इसे कहते हैं पर्यटन की जड़ को ही खत्म कर दिया जाना ।

अनेक तीर्थ क्षेत्रों जहां प्राकृतिक सौंदर्य, अनुपम व अविस्मरणीय आभा लिये है । जैसे चूलगिरी, मांगी तुंगी, शिखरजी, गिरनारजी, बावनगजा, गजपंथा आदि पहले वहां इस तरह की कोई बंदिश नहीं थी, शुरु शुरु में हमें तो यह बंदिशे अजीब सी लगी कि यह क्या तमाशा है । लेकिन बाद में बहुत अच्छा लगा कि यह सब जो किया गया है वह अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए ही किया जा रहा है, इसलिए हमें भी इसमे सहयोग करना चाहिए और इनके प्रयासों की सराहना करनी चाहिए । **संकलन** – राजेश जैन 'बीड़ीवाले', झांसी

विदिशा में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

राहुल जैन, विदिशा । श्री गोलालरीय दिगम्बर जैन समाज ट्रस्ट द्वारा अप्रैल माह में वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं सामूहिक स्नेह भोज का आयोजन सफलतापूर्वक सानंद संपन्न हुआ । जिसमें गोलालारीय जैन भवन के वार्षिक रख रखाव के सहयोगकर्ताओं का आदरपूर्वक सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने 'साफ थाली अभियान (क्लीन प्लेट कैंपेन)' का संकल्प डा. राहुल जैन(सचिव) द्वारा समाज के वरिष्ठ सदस्यों श्री आनंद जैन, डा. संतोष सिंघई, श्री लल्लू लाल जी जैन (एडवोकेट), मेजर डा. सतीश चंद्र जैन, श्री दीपक जैन, श्री प्रतीक जैन, श्री नरेश जैन, श्री मुकेश जैन, श्री नेमीचंद जैन, श्री जिनेश जैन, श्री सुनील जैन, श्री आकाश जैन, श्री संजय जैन, श्री राजेश मनोरिया आदि के साथ विधिवत शुभारंभ पोस्टर जारी कर किया। जिसमें भोजन की बर्बादी को रोकने के संकल्प पत्र को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का आव्हान किया गया। इस कार्यक्रम में विदिशा के सभी परिवारों के समाजजन उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

आचार्य श्री की शरण में पंडित प्रवर लालचंद जी 'राकेश' ने प्राप्त की दुर्लभ समाधि

प्रवीण जैन, झांसी । 'मेरा अंतिम मरण तेरे दर हो' इन पंक्तियों का सार प्राप्त कर लिया समाज के प्रखर विद्वान, कवि हृदय विनय भाव से संपन्न पंडित लालचंद जी 'राकेश' गंजबासौदा वालों ने।

जीवन के अंतिम सप्ताह में वे घर परिवार छोड़कर पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शरण में डोंगरगढ़ पहुँच गए थे उनकी संल्लेखना 9 जून को प्रारंभ हुई थी । 10 जून को आचार्य श्री के द्वारा उन्हें 10 प्रतिमा का व्रत प्राप्त हुआ और 11 जून को उन्होंने 24 घंटे में एक बार जल आहार का नियम ले लिया। पंडितजी जब व्हीलचेयर पर आचार्य श्री के समक्ष पहुंचे तो उन्होंने आचार्य श्री को एक टक निहारकर भारी प्रसन्नता का अनुभव किया, मानो संसार सागर में तैरते हुए को किनारा मिल गया हो, उन्होंने आचार्य श्री की विनयपूर्वक वंदना की । आचार्य श्री ने समाधि संल्लेखना के दौरान उन्हें **'शुभ्रसागर'** का नाम प्रदान किया। पंडितजी आचार्य श्री के परम भक्त थे। धार्मिक काव्य, महाकाव्य आदि की रचना में निपुण थे उन्होंने अधिकतर लेखन देव शास्त्र गुरु की वंदना में ही किया।

पं. लालचंद जी राकेश उम्रदराज होकर भी अपनों से छोटे जनों के प्रति बड़े सम्मान का भाव रखते थे उनसे एक बार जो मिल लेता था वह उनकी आत्मीयता के प्रभाव से सदैव के लिए उनका हो जाता था। धार्मिक समारोह, विद्वत गोष्ठियों व सम्मेलनों में कुछ छंद सुनाकर अपनी मुलाकातों को स्मरणीय बना दिया करते थे । आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज सहित अनेक साधुजनों के जीवन वृत्त को उन्होंने काव्य छंद के रूप में प्रस्तुत किया। उनके वियोग के क्षणों में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्रेयांश कुमार जैन बड़ौत ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित राकेशजी श्रेष्ठ विद्वान व श्रेष्ठ कवि थे । वे अपनी संस्था के लिए समर्पित थे, गुरुदेव आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के चरण सानिध्य में संल्लेखना प्राप्त कर उन्होंने अपने जीवन पर कल्याण का कलश चढ़ा लिया है। अखिल भारतीय संपादक

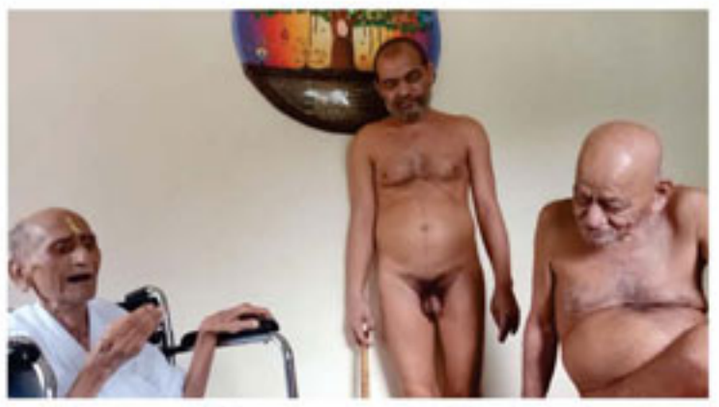

संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र जैन अलीगढ़ ने उनके निधन को मां जिनवाणी के सच्चे उपासक का वियोग बताया। डॉ.लालचंद जैन गंजबासौदा से निकलकर अपनी विद्वत्ता के बल पर संपूर्ण भारतवर्ष में अपनी अलग ही पहचान बनाई थी, उनके निधन से संपूर्ण जैन समाज के साथ गोलालारीय समाज की भी अपूरणीय क्षति है।

अहमदाबाद के गोलालारीय समाज द्वारा प्रथम बार GDJPL किक्रेट टूर्नामेंट का आयोजन

सजन जैन 'बंटी', अहमदाबाद । नगर के गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज द्वारा अहमदाबाद के इतिहास में प्रथम बार GDJPL क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमे सिर्फ गोलालारीय समाज की ही 10 टीमों ने भाग लिया और सच में जो आनंद समाज बंधुओ को आया उससे महसूस हुआ की दो महीने की मेहनत सफल हो गई। इस आयोजन में गोलालारीय समाज के प्रमुख परिवारों ने बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता जताते हुए हर संभव सहयोग प्रदान किया । इस टूर्नामेंट में टाइटल प्रायोजक श्री विनय कुमार कैलाशचंदजी जैन दुमदुमा (नवकार ग्रुप) । टी शर्ट और सिल्वर मेडल प्रायोजक श्री ऋषभ गयाप्रसादजी जैन स्टार्टअप यूनिवर्सटी अहमदाबाद, श्री महेन्द्रकुमार हुकमचंदजी जैन (अरिहंत ग्रुप), श्री प्रवीणकुमार जिनेंद्रकुमार जैन दुमदुमा (जैनम ग्रुप)। ऑडियो वीडियो प्रायोजक श्री सुमतचंदजी जैन चांदलोडिया । क्रिकेट कीट प्रायोजक श्री सुनिलकुमार दीपचंदजी जैन (महावीर मोटर) । मेडिकल कीट प्रायोजक श्री दिलीपकुमार हुकमचंदजी जैन व डॉ. आजाद हुकमचंदजी जैन (रेडीश्योर)। भोजन प्रायोजक श्री राजेशकुमार कुंदनलालजी जैन, श्री हीरालालजी जैन रहे । सभी 10 टीमों के पृथक पृथक प्रायोजक सर्वश्री राजू भजनलाल जैन अंबिकानगर, शीलचंदजी जैन महावीर नगर, सुरेन्द्रकुमार जैन गोमतीपुर, दिनेशकुमार कैलाशचंदजी जैन मेघानीनगर, निलेश हुकमचंदजी जैन अजय टेनामेंट 3, राजेश सुखनंदनजी जैन रामेश्वर पार्क सोसायटी, सतेंद्रकुमार प्रकाशचंदजी जैन वस्त्राल, अल्पेश कुमार धर्मचंदजी जैन शिवानंद नगर, संदीपकुमार संतोषकुमारजी जैन धनलक्ष्मी सोसायटी । समाज बंधुओं के आर्थिक सहयोग ने इस आयोजन को अद्भुत व अद्वितीय बना दिया। अहमदाबाद का यह एक अनोखा आयोजन रहा जिसमें समाज के लगभग 1300 परिवारों का उत्साह व खुशी देखते ही बनती थी । खास बात ये है की यह क्रिकेट टूर्नामेंट को देखने समाज के सभी वर्गों के सदस्य देर रात तक हजारों की संख्या में मैदान में

बैठे रहे। यह समाज के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि रही । आने वाले समय में जल्द ही समाज को एकजुट बनाने के लिए इसी प्रकार के सामूहिक अन्य कार्यक्रमों को आयोजित करने का विचार चल रहा है उद्देश्य सिर्फ इतना है कि गोलालारीय समाज समग्र जैन समाज में अपनी एक नवीन पहचान स्थापित कर सके ।

हम कब तक मौन रहेंगे ? समाज गौरव 108 मुनि श्री आस्तिक सागर महाराज जी के साथ अभद्रता ।

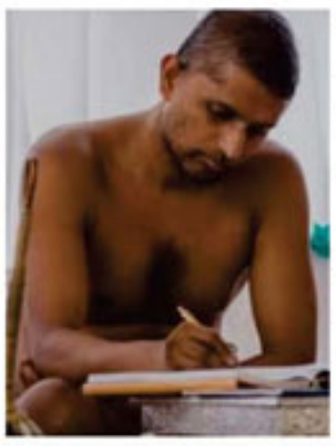

विकास जैन, कटनी । पूज्य 108 मुनि श्री आस्तिक सागरजी महाराज का चातुर्मास जैन बोर्डिंग हाउस, अंहिसा तिराहा के पास कटनी में सानंद चल रहा हैं। 1 अगस्त सुबह जब धर्मसभा में महाराजजी संबोधित कर रहे थे तभी एक मुस्लिम महिला ने मुनिराजजी के प्रति आपत्तिजनक शब्द बोलकर हंगामा खड़ा कर दिया उन्हें मंच से नीचे उतरने के लिए अड़ गई । समाज अध्यक्ष व समाज की महिलाओं ने उसे रोकने का हरसंभव प्रयास करें परंतु उस महिला का बर्ताव शर्मनाक होता गया। समाज की महिलाओं ने जब उसे पकड़कर थाने पहुँचाकर उसके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए पुलिस अधिकारी को बुलाने पर भी जब अधिकारी एक घंटे तक थाने नहीं पहुंचे तब जैन समाज के लोगों का आक्रोश भड़क उठा और थाने को सामने चक्का जाम कर प्रदर्शन शुरु कर दिया गया आज हम सभी को विचार करना चाहिए कि क्या हममें अपने तीर्थों और मुनिराजों की सुरक्षा करने का साहस भी नहीं है क्या हम इतने लाचार हो गए हैं कि धर्म प्रतीकों की सुरक्षा के लिए दूसरों का मुंह ताकना पड़े तो यह वास्तव में हम सब के लिए शर्मशार करने वाला है।

कुंदनलाल मानोरिया पुत्र स्व. श्री सुंदरलालजी मानोरिया

पुत्र-पुत्रवधु : राजेश-स्नेहलता मानोरिया, संजय-मनीषा मानोरिया

पौत्र-पौत्रवधु : सिद्धार्थ-सुरभि मानोरिया, सिद्धांत-अनुप्रिया मानोरिया

संस्कृति, सानिध्य, सिद्धि और देव मानोरिया एवं समस्त मानोरिया परिवार, विदिशा

* सत साहित्य प्रकाशन समिति का संचालन करते हुए जैन तिथि दर्पण व धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन कराया । * केशरबाई आयुर्वेदिक औषधालय के 16 वर्ष तक मंत्री रहे । औषधालय में 1 लाख रु. दान देकर अपने प्रयासों से इस राशि को 16 लाख रु. तक पहुंचाकर एफ.डी. कराई ।

* जन कल्याण जैन सेवा समिति के द्वारा रोग निवारण केम्प आयोजित करवाते रहे ।

मानोरिया परिवार आपके शतायु होने की कामना पद्मप्रभु भगवान के चरणों में करता है ।

हार्दिक बधाईयाँ

* सृष्टि सुजीत कुमार जैन जबलपुर ने UPSC परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग में 165 रैंक प्राप्त की है।

* गंजबासौदा निवासी श्री अनिल कुमार डॉ. ममता भंडारी की सुपुत्री कु. आकांक्षा जैन ने UPSC की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग में 702 वीं रैंक हासिल की है। एक भव्य समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया ।

* मयंक मुकेश रजनी जैन बरोदा स्वामी, ललितपुर ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

* प्रणति प्रदीप सीमा धमसैया अहमदाबाद ने सीए की चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

* श्री मनोज कुमार मोदी बाकल की सुपुत्री कु. दिशा मोदी चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

* अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि परिषद के तत्वावधान में सोनागिर में भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में विद्वत्प्रवर डॉ. निर्मल कुमार जैन, विदिशा वालों को जैनागम के प्रचार प्रसार द्वारा जैन धर्म की प्रभावना हेतु अध्यात्मयोगी आचार्य विशुद्धसागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाई ।

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि – 20 दिसम्बर 2023

5 वर्षों से निरंतर आपकी सेवा में....

''प्रयास'' रिश्तों को जोड़ने का – अखिल भारतीय जैन विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पत्रिका

नवीन फोटो की सॉफ्ट कॉपी एवं पूर्ण रूप से भरा गया फार्म 94069-34065 पर ही भेजें।

रजिस्टर्ड मोबाइल नं. (वाट्सएप्प) ______ अविवाहित ☐ विवाहित ☐

नोट – रजिस्टर्ड (वाट्सएप्प) मोबाइल नंबर पर ही प्रूफ भेजा जावेगा।

प्रत्याशी का विवरण

प्रत्याशी का नाम ______
शिक्षा (अंतिम) ______
वार्षिक आय रु. ______
व्यवसाय/सर्विस ______
चयन में प्राथमिकता (यदि हो तो) ______
वाट्सएप्प नंबर: ______

जन्मतिथि ☐☐☐
समय ______ रेलवे समयानुसार (0–24)
स्थान ______
ऊँचाई ☐
वजन ☐ किलो
वर्ण ☐ गोरा ☐ गेहुँआ ☐ सॉवला

उपजाति – दिगम्बर/श्वेताम्बर ☐
गौत्र – स्वयं ☐
मामा – गौत्र ☐
बंधन – हाँ ☐ नहीं ☐
मंगली – हाँ ☐ नहीं ☐
(हाँ या नहीं पर ✓ करें)

भाई-बहन का विवरण
बहन (अंको में) ☐ विवाहित ☐ अविवाहित
भाई (अंको में) ☐ विवाहित ☐ अविवाहित

आवास
☐ स्वयं का ☐ किराये का
(टिक ✓ करें)

प्रत्याशी का पारिवारिक विवरण

पिता का नाम ______
माता का नाम ______
पता ______
______ पिनकोड ______
व्यवसाय ______ वार्षिक आय ______
फो./मो.: ______
नंबर: ______

सम्पर्क सूत्र
1 श्री ______ नगर ______
मो. ______
2 श्री ______ नगर ______
मो. ______

रजिस्ट्रेशन शुल्क पत्रिका सहित – 500/– (कोरियर खर्च सहित)
रजिस्ट्रेशन शुल्क बिना पत्रिका – 300/–

प्रविष्टि फार्म प्राप्त करने के लिए आप 9406934065 पर संदेश भेजे।
प्रविष्टि फार्म एवं बैंक में फंड ट्रांसफर भुगतान का स्क्रीन शॉट UTI /UPI No. सहित 9406934065 पर अनिवार्य रूप से भेजने पर स्वीकार किया जावेगा।

घोषणा पत्र
उपरोक्त आवेदन में समस्त जानकारी पूर्णतः सत्य है जिसके लिए मैं स्वयं उत्तरदायी हूँ तथा समस्त विवरण ''प्रयास'' रिश्तों को जोड़ने का परिचय पुस्तिका में प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ।
पत्रिका प्रिंटिंग में त्रुटि रह जाने पर मैं समिति को उत्तरदायी नहीं ठहराऊंगा/ठहराऊंगी।
हस्ताक्षर प्रत्याशी/पालक/अभिभावक
पूर्ण नाम ....

फार्म डाक से भेजने का पता : श्री राजेन्द्र जैन, DKN-230, स्कीम नं. 74–सी, विजय नगर, इन्दौर – 452010

फार्म भरने की अंतिम तिथी 20 दिसम्बर 2023। पत्रिका जनवरी के द्वितीय सप्ताह के पश्चात आपको भेजी जावेगी।

पत्रिका संपादक के नाम से प्रविष्टि पंजीयन शुल्क व विज्ञापन राशि जमा आप निम्न बैंक में फंड ट्रांसफर व पेटीएम के द्वारा भी कर सकते है –
हिन्दी में – राजेन्द्र जैन अंग्रेजी में – RAJENDRA JAIN
* बैंक का नाम – एचडीएफसी बैंक * खाता क्रमांक – 50100439222846
* IFSC code : HDFC0007244 * ब्रांच – स्कीम नं. 54, इन्दौर
आनलाईन प्रविष्टि फार्म भरने के लिए क्लिक करें – http://prayasvivah.in

Paytm नंबर 9424013136 पर आप प्रविष्टि शुल्क 500/– रु. का भुगतान कर प्रविष्टि फार्म 9406934065 नंबर पर भेज सकते है।

विज्ञापन शुल्क – फुल पेज (बायोडाटा मय विज्ञापन) – 5000 रु. * आधा पेज(बायोडाटा मय विज्ञापन) – 3000 रु.
आपके द्वारा प्रेषित विज्ञापन की राशि प्राप्त होने पर ही विज्ञापन प्रकाशित किया जावेगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – मो.: 9424013136, 9425903301, 9009066884

''पंथ भले हो अलग-अलग, जीवन साथी सिर्फ जैन हो''

पिता

पिता का साया जब किसी के सिर पर होता है,
वह अपना अमूल्य जीवन नादानी में खोता है।
पिता का शुभाशीष कितना बड़ा वरदान है,
अनुकूल परिस्थितियां उसी की कद्रदान है।
पितृसेवा और सत्कार कैसे किया जाता है,
उसका महत्व कोई भी समझ नहीं पाता है।
बच्चे के जन्म पर पिता को सब कुछ पाने का बोध होता है,
फिर वह अपना जीवन संतान की परवरिश पर खोता है।
संतान सुख के लिए जीवन भर सपने बुनता है,
अपनी खुशियां कुर्बान कर जमाने की सुनता है।
बच्चों का भविष्य अपनी खुली आँखों से देखता है,
कोई कमी ना रह जाये अपने दायित्वों को लेखता है।
अपने बच्चों की उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ता,
खुद न हो पसंद पर बच्चों की इच्छा को नहीं तोड़ता।
बच्चे तो पिता के लिए उनका स्वाभिमान होते है,
उपेक्षा मिलने पर रब की मर्जी समझकर रोते है।
संतान से अपेक्षा रखने को अपनी गलती मानते है,
उनके लिए कोई परेशान ना हो भलीभांति जानते है।
पिता के रहते बच्चों को क्या कोई भी चिंता होती है,
परिवार को संभालने की जिम्मेदारी उनकी होती है।
बेटी को विदा करने पर सुख दुःख में खेद नहीं होता,
बेटा का विवाह करने पर सुख दुःख में भेद नहीं होता।
जिसके होने के एहसास से खुशी की तरंग होती है,
एक पिता के दर्द में भी हमेशा मृदुल उमंग होती है।
पर्वत के समान सभी की रक्षा में तत्पर रहता है,
नभ के समान परिवार पर छत्र छाया रखता है।
आपत्ति में सागर के समान मन में गहराई रखता है,
विपत्ति में धरती के समान धैर्य को धारण करता है।
वह पिता परिवार में कोल्हू के बैल जैसा होता है,
अपना अस्तित्व बरसात के पानी जैसा खोता है।

– विशाल जैन, पवा
सहसंपादक – गोलालारीय दर्शन

''प्रयास'' एक प्रयास जो हम सबको मिलकर करना है

''प्रयास रिश्तो को जोड़ने का..'' की पत्रिका के लिए प्रविष्टि भरने का कार्य प्रारंभ हो चुका हैं, इस आयोजन में हम समग्र जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों का बायोडाटा प्राप्त करने का प्रयास हर स्तर पर कर रहे हैं। हमारा आप सभी समाजजनों से विनम्र निवेदन है कि वह अपने नगर में इस पत्रिका के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए अपने नगर के विवाह योग्य प्रत्याशियों को इस पत्रिका की जानकारी देकर प्रविष्टि फार्म को भरने के लिए प्रेरित करें। आपका यह छोटा सा मार्गदर्शन उन परिवारों के लिए रिश्तों को ढूंढने में उन्हें एक राह दिखा सकता हैं, आज के बदलते दौर में हर परिवार अपने बच्चों के लिए अच्छा संबंध चाहता है और हम इस माध्यम में एक छोटी सी कड़ी बनकर इस समस्या का निराकरण आपके सहयोग से करना चाहते हैं। आप इस पत्रिका के महत्वपूर्ण घटक बनकर अपने परिचितों, रिश्तेदारों व समाजजनों को प्रविष्टि फार्म भरने के लिए प्रेरित करें। पत्रिका की प्रविष्टि राशि न्यूनतम निर्धारित की गई है। * पत्रिका सहित प्रविष्टि – रु. 500/– * और बिना पत्रिका के प्रविष्टि 300/– हम समाज के प्रत्येक परिवार में इस संदेश को आपके द्वारा पहुंचाना चाहते हैं व चाहते है कि जिन परिवारों में विवाह योग्य बच्चे हैं वे इस फॉर्म को अवश्य भरें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – 9424013136

।। सादर श्रद्धांजली ।।

* स्व. श्री प्रसन्नकुमार जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती सुशीलादेवी जैन** का देवलोकगमन 23 अप्रैल को विदिशा में हो गया। आप धार्मिक कार्यक्रमों में विशेष रुचि रखती थी।

* अहमदाबाद समाज के वरिष्ठ सदस्य **डॉ. शेखरचंद जैन** का देवलोकगमन 11 मई को अहमदाबाद में हो गया। आपने देश विदेश में जैन धर्म के सिध्दांतों को प्रचारित व प्रसारित कर काफी ख्याति अर्जित की। आप अहमदाबाद जैन समाज में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते थे।

* स्व. श्री हीरालालजी जैन सायकल वालों के ज्येष्ठ पुत्र, **श्री राजेन्द्र कुमार जैन 'दादा'** का देवलोकगमन 8 जून को इन्दौर में हो गया है। आप इन्दौर गोलालारीय न्यास, श्री पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्या. व गोलालारीय दर्शन के संस्थापक अध्यक्ष रहे। आप धर्मप्रिय और सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 21000 रु. की राशि भेंट की।

* श्री अशोककुमार जैन फणीश की धर्मपत्नी **श्रीमती विमला जैन** का देवलोकगमन 17 जून को विदिशा में हो गया। आप धार्मिक व मिलनसार थी।

* श्री सतीश जैन कैलवारावालों के सुपुत्र **श्री शशांक जैन** का देवलोकगमन अल्पायु में 30 जून को ललितपुर में हो गया।

* स्व. श्री धन्यकुमार जी जैन के सुपुत्र **श्री कमलनयनजी जैन** का देवलोकगमन अहमदाबाद में 29 जुलाई को हो गया है आप धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

* **सिंघई श्रीमती शांतिदेवी प्रेमचंदजी जैन (पडरावालो)** का देवलोकगमन 28 जुलाई को अहमदाबाद में हो गया।

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट – शोक संदेशों का प्रकाशन जानकारी देने पर निशुल्क किया जाता है।

दाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

चि. श्रेयश

सुपौत्र : स्व. श्री गुलाबचंद जैन-श्रीमती द्रौपदी जैन
सुपुत्र : श्री धर्मेन्द्र कुमार जैन - श्रीमती नेहा जैन
इन्दौर (मडावरा वाले)

का शुभ विवाह

सौ. कां. रौली

सुपौत्री : स्व.श्री भगवानदास जैन - स्व. श्रीमती रानीबहु जैन
सुपुत्री : श्री शिखरचंद जैन - श्रीमती पुष्पा जैन
ललितपुर (उ.प्र.) (बरोदा स्वामी वाले)

23 जून 2023 को प्रारम गार्डन, इन्दौर में धूमधाम से संपन्न हुआ ।

प्रतिष्ठान - इंडो फिल्स इंडस्ट्रीज, इन्दौर

परिणयोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

हृदयांश दिवस

(सुपौत्र : स्मृतिशेष श्री गनेशीलालजी जैन)
(सुपुत्र : हर्षा-सुनील जैन, गुड़ियाजी), गंजबासौदा (म.प्र.)

का विवाह

हृदयांशी दिशी

(सुपौत्री : स्मृतिशेष शाह श्री बालाप्रसादजी चौधरी)
(सुपुत्री : सीमा-शाह श्री दिनेश कुमार चौधरी), खुरई (म.प्र.)

के साथ दिनांक 7 जून 2023 को
होटल योगेश्वरी, गंजबासौदा में
हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

आगामी अंक - तप साधना करने वाले सदस्यों को सादर समर्पित

सदस्य गोलालारीय परिवार का होना अति आवश्यक हैं। सदस्य को अपनी प्रविष्टी भेजते समय परिवार मुखिया का नाम, नगर का नाम व मोबाईल नम्बर देना अनिवार्य है । निर्धारित जानकारी के अभाव में प्रविष्टि स्वीकार योग्य नहीं होगी । गोलालारीय समाज का **आगामी अंक अक्टूबर 2023** को प्रकाशित किया जावेगा जिसमें पयूर्षण पर्व में आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी प्रकाशित किया जाना है साथ ही **5 व उससे अधिक तप साधना करने वाले सदस्यों का सचित्र जानकारी** प्रकाशित की जावेगी । **अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2023 है, जानकारी निर्धारित वाट्सएप्प नंबर पर ही भेजे ।**

तप साधना करने वालों के लिए अति आवश्यक नियमावली इस प्रकार से हैं -

* 5 या उससे अधिक निर्जल तपसाधक अपना विवरण अनिवार्य रुप से लिखे । * साधक के 5 या उससे अधिक उपवास निरंतर होना जरूरी हैं इस श्रेणी में सिर्फ एक समय जल या अन्य कोई एक पेय प्रदार्थ ही ग्रहण किया हो । * एक दिन छोड़कर एक दिन उपवास इस श्रेणी में नहीं आवेगा ।

* आप अपने आप को भगवान के समक्ष साक्षी मानकर प्रविष्टि भेजें और यह सुनिश्चित कर लेवें कि आपके द्वारा भेजी गई सभी जानकारी सही है । आपके द्वारा भेजी गयी जानकारी के आधार पर हम प्रकाशन करते है । अतः हमारा सभी साथियों से करबद्ध निवेदन है कि वे नियम पालन करते हुए अपनी प्रविष्टि प्रेषित करें। **प्रविष्टि आप वाट्सएप्प नंबर 9109713136 पर अनिवार्य रुप से भेजें । यह नंबर चर्चा के लिए उपलब्ध नहीं है ।**

नाम _____

पिता/पति का नाम _____

परिवार मुखिया का नाम _____

शहर का नाम _____

मोबाइल नंबर _____

उपवास की संख्या _____

उपवास का विवरण _____

तपसाधक का नवीन फोटो लगावें

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।
स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।